



Vishvjit



Rajju

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121566401

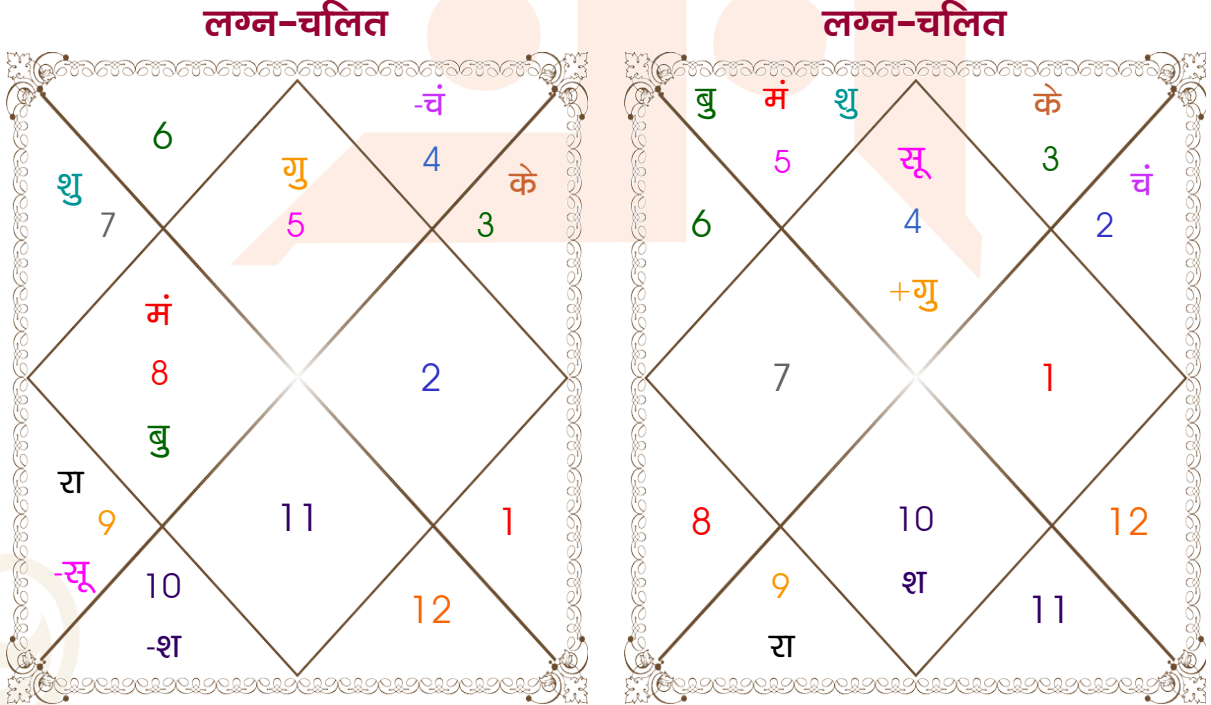
पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
23/12/1991 :	जन्म तिथि	: 5-06/08/1991
सोमवार :	दिन	: सोम-मंगलवार
घंटे 23:45:00 :	जन्म समय	: 05:20:00 घंटे
घटी 41:14:41 :	जन्म समय(घटी)	: 59:01:01 घटी
India :	देश	: India
Kurukshetra :	स्थान	: Una
29:59:00 उत्तर :	अक्षांश	: 31:28:00 उत्तर
76:51:00 पूर्व :	रेखांश	: 76:19:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
घंटे -00:22:36 :	स्थानिक संस्कार	: -00:24:44 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
07:15:07 :	सूर्योदय	: 05:43:07
17:27:18 :	सूर्यास्त	: 19:17:53
23:44:59 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 23:44:40
सिंह :	लग्न	: कर्क
सूर्य :	लग्न लग्नाधिपति	: चन्द्र
कर्क :	राशि	: वृष
चन्द्र :	राशि-स्वामी	: शुक्र
पुष्य :	नक्षत्र	: रोहिणी
शनि :	नक्षत्र स्वामी	: चन्द्र
3 :	चरण	: 4
वैधृति :	योग	: व्याघात
विष्टि :	करण	: बव
हो-होशियार :	जन्म नामाक्षर	: वू-वूली
मकर :	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: सिंह
विप्र :	वर्ण	: वैश्य
जलचर :	वश्य	: चतुष्पाद
मेष :	योनि	: सर्प
देव :	गण	: मनुष्य
मध्य :	नाड़ी	: अन्त्य
मेष :	वर्ग	: मृग

## ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
शनि 8वर्ष 11मा 15दि	29:37:02	सिंह	लग्न	कर्क	13:29:22	चन्द्र 0वर्ष 9मा 10दि
शुक्र	07:39:55	धनु	सूर्य	कर्क	19:18:26	गुरु
08/12/2024	10:22:45	कर्क	चंद्र	वृष	22:17:39	17/05/2017
08/12/2044	24:00:17	वृश्चि	मंगल	सिंह	19:34:21	17/05/2033
शुक्र 09/04/2028	16:09:23	वृश्चि	बुध	सिंह	11:59:28	गुरु 05/07/2019
सूर्य 09/04/2029	20:47:50	सिंह	गुरु	कर्क	28:09:34	शनि 15/01/2022
चन्द्र 09/12/2030	26:47:56	तुला	शुक्र व	सिंह	13:10:32	बुध 22/04/2024
मंगल 08/02/2032	11:12:29	मक	शनि व	मक	09:01:39	केतु 29/03/2025
राहु 07/02/2035	16:05:32	धनु	राहु	धनु	25:02:27	शुक्र 28/11/2027
गुरु 08/10/2037	16:05:32	मिथु	केतु	मिथु	25:02:27	सूर्य 15/09/2028
शनि 08/12/2040	19:26:33	धनु	हर्ष व	धनु	16:51:21	चन्द्र 15/01/2030
बुध 09/10/2043	22:09:31	धनु	नेप व	धनु	20:53:32	मंगल 22/12/2030
केतु 08/12/2044	28:04:53	तुला	प्लूटो	तुला	23:50:14	राहु 17/05/2033

व - वकी स - स्थिर  
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त  
राहु : स्पष्ट

23:44:59 चित्रपक्षीय अयनांश 23:44:40



**Acharya Surender KumarJoshi**

VPO CHAKSARAI DISTT UNA HIMACHAL PRADESH

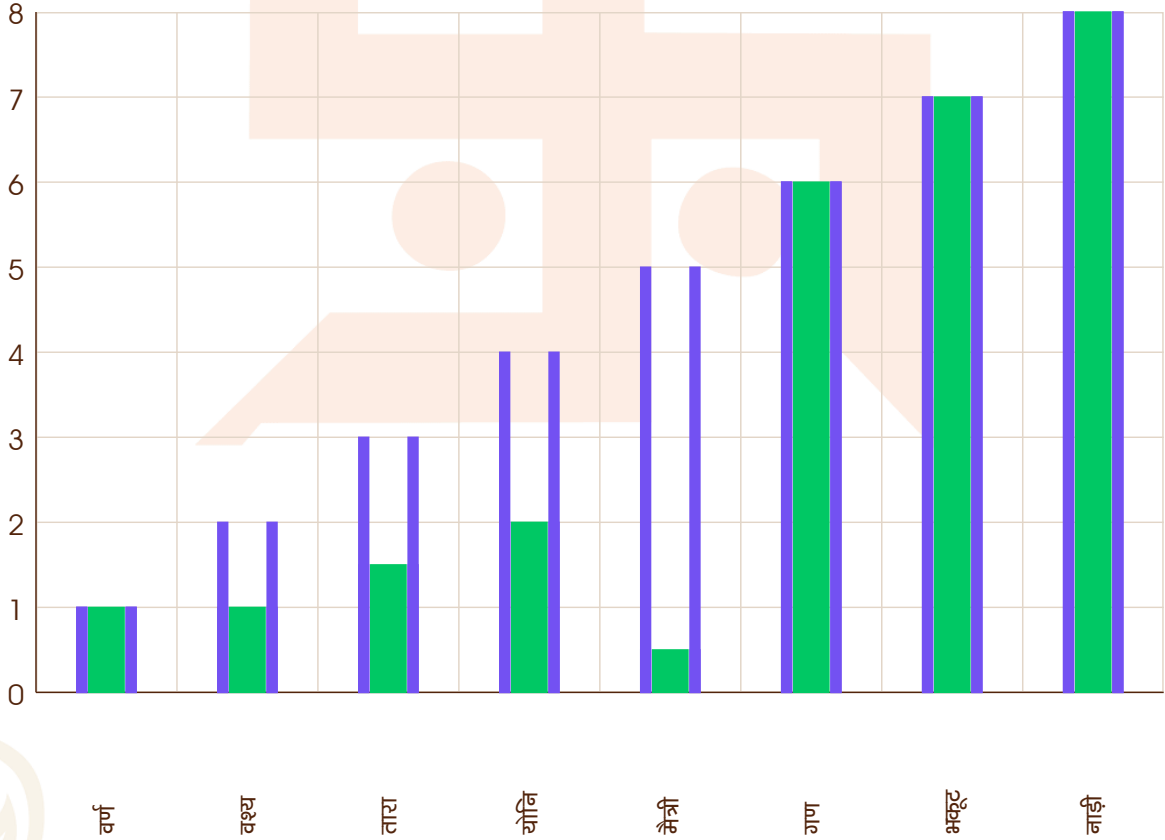
9418407130

surenderjoshi70@gmail.com

## अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मेष	सर्प	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	चन्द्र	शुक्र	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कर्क	वृष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाडी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
<b>कुल :</b>			<b>36</b>	<b>27.00</b>		

कुल : 27 / 36



**Acharya Surender KumarJoshi**

VPO CHAKSARAI DISTT UNA HIMACHAL PRADESH

9418407130

surenderjoshi70@gmail.com

## अष्टकूट मिलान

टपीअरपज का वर्ग मेष है तथा Rajju का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।  
अष्टकूट मिलान के अनुसार टपीअरपज और Rajju का मिलान अत्युत्तम है।

### मंगलीक दोष मिलान

टपीअरपज मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

**अजे लग्ने व्यये चापे पाताले वृश्चिके स्थिते ।  
वृषे जाये घटे रन्ध्रे भौम दोषो न विद्यते ।।**

अर्थात् मेष राशि लग्न में, द्वादश में धनुराशि, चतुर्थ में वृश्चिक राशि, सप्तम में वृष राशि तथा अष्टम में कुम्भ राशि में मंगल स्थित हो तो मंगल दोष नहीं होता है। क्योंकि मंगल टपीअरपज कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में वृश्चिक राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

**तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम् ।  
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा ।।**

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

ढष्ट;डडमंगंवूदकमड;0द्धत्र।द्धझ क्योंकि मंगल टपीअरपज कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Rajju मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

**गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते ।।**

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

**त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः ।  
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत् ।।**

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Rajju कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

टपीअरपज तथा Rajju में मंगलीक मिलान ठीक है।

**Acharya Surender KumarJoshi**

VPO CHAKSARAI DISTT UNA HIMACHAL PRADESH

9418407130

surenderjoshi70@gmail.com

## निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम है।



**Acharya Surender KumarJoshi**

VPO CHAKSARAI DISTT UNA HIMACHAL PRADESH

9418407130

surenderjoshi70@gmail.com

## अष्टकूट फलादेश

### वर्ण

टपौअरपज का वर्ण ब्राह्मण तथा Rajju का वर्ण वैश्य है। अतः यह मिलान अति उत्तम है। Rajju सदैव अपने पति तथा घर में बड़ों का सम्मान करेगी तथा उनकी आज्ञा का पालन करती रहेगी। Rajju मितव्ययी होंगी तथा बचत करके पैसे को लाभदायक उपादानों में निवेश करती रहेगी।

### वश्य

टपौअरपज का वश्य जलचर है एवं Rajju का वश्य चतुष्पद है। अतः यह मिलान औसत मिलान ही है। जलचर एवं चतुष्पद सामान्यतः एक-दूसरे के लिए सम हैं। दोनों के बीच न ही प्रेम की भावना होगी और न ही शत्रुता तथा दोनों का प्रकृति में स्वतंत्र अस्तित्व रहेगा। कुंडली मिलान में दोनों के दृष्टिकोण, सोच एवं व्यवहार में पूर्णतः भिन्नता रहते हुए भी विवाह को स्वीकृति प्रदान की गयी है क्योंकि दोनों एक-दूसरे को किसी प्रकार का नुकसान नहीं पहुंचायेंगे तथा अपने-अपने तरीके से अपने कर्तव्यों एवं दायित्वों का निर्वहन करते रहेंगे।

### तारा

टपौअरपज की तारा प्रत्यरि तथा Rajju की तारा साधक है। टपौअरपज की तारा प्रत्यरि होने के कारण यह मिलान औसत मिलान ही है। विवाह के उपरांत टपौअरपज कालांतर में बुरी आदतों, अधोपतन, चरित्रहीनता एवं नैतिक पतन का शिकार हो सकता है। उसके अवैध संबंध भी हो सकते हैं। परिणामस्वरूप Rajju को काफी कष्टों का सामना करना पड़ सकता है। भविष्य में तनाव, निराशा, अवसाद एवं पीड़ा के कारण उसका झुकाव अध्यात्म की ओर हो सकता है।

### योनि

टपौअरपज की योनि मेष है तथा Rajju की योनि सर्प है। अर्थात् दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात् सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है। बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन

परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात् मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात् धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

### मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में टपीअरपज का राशि स्वामी Rajju के राशि स्वामी से सम का संबंध रखता है। जबकि Rajju का राशि स्वामी टपीअरपज के राशि स्वामी के साथ शत्रु का संबंध रखता है। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से खराब मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यदि एक साथी का राशि स्वामी दूसरे के लिए सम किंतु दूसरा उसे शत्रु मानता हो तो ऐसा कुंडली मिलान अच्छा नहीं माना जाता है। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़ा, तनाव, मतभेद, एवं बहसबाजी का भाव बना रह सकता है। ऐसा भी हो सकता है कि यह बहस कभी-कभी हिंसक रूप धारण कर ले। जिससे शारीरिक चोट एवं मुकदमेबाजी के कारण आर्थिक हानि हो सकती है।

### गण

टपीअरपज का गण देव तथा Rajju का गण मनुष्य है। अर्थात् दोनों का गण कूट मिलान हो रहा है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों दयालु, सहृदय, मृदु, सौम्य एवं एक-दूसरे का ख्याल रखने वाले होंगे। किंतु Rajju अधिक व्यावहारिक, मिलनसार, परिश्रमी, बुद्धिमान तथा महत्वाकांक्षी होंगी जो कि भौतिकवादी संसार में अपना अस्तित्व बनाए रखने तथा घर-परिवार चलाने के लिए आवश्यक है। दोनों अपने पारिवारिक, सामाजिक एवं व्यावसायिक जिम्मेवारियों का पूर्णरूपेण निर्वहन करते हुए हर सुख-सुविधाओं से युक्त सुखी जीवन व्यतीत करेंगे।

### भकूट

टपीअरपज से Rajju की राशि एकादश भाव में स्थित है तथा Rajju से टपीअरपज की राशि तृतीय भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण टपीअरपज परिश्रमी, प्रिय, खुश तथा अपना हर कार्य को उत्साह से संपादित करने वाले होंगे। वह अपने परिवार, पड़ोसियों तथा पूरे समाज की आंखों का तारा होंगे। उनके अपनी पत्नी के साथ उसके संबंध अति मधुर होंगे। दूसरी ओर Rajju हर गुण से परिपूर्ण होगी तथा पति के लिए सदैव सहायक होंगी। वह स्वयं भी व्यावसायिक गतिविधियों में लिप्त रहकर धन कमायेंगी। तथा घर के प्रबंधन में महत्वपूर्ण योगदान देंगी। साथ ही भविष्य के लिए बचत भी

करती रहेंगी।

### नाड़ी

टपीअरपज की नाड़ी मध्य है तथा Rajju की नाड़ी अन्त्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। यह जीवन के लिए आवश्यक दो महत्वपूर्ण अवयवों का समन्वय है। अच्छे स्वास्थ्य, स्वस्थ काया एवं अच्छे यौन जीवन के लिए वात, पित्त एवं कफ का शरीर में संतुलन आवश्यक है। जिसके कारण टपीअरपज एवं Rajju के बीच साहचर्य, सुख एवं समृद्धि की वृद्धि तथा उन्हें अच्छे, स्वस्थ एवं आज्ञाकारी संतान प्रदान होगी।



**Acharya Surender KumarJoshi**

VPO CHAKSARAI DISTT UNA HIMACHAL PRADESH

9418407130

surenderjoshi70@gmail.com

# मेलापक फलित

## स्वभाव

टपौअरपज की जन्मराशि जलतत्व कर्क तथा Rajju की राशि भूमितत्व युक्त वृष है। जल एवं भूमि तत्व के मध्य नैसर्गिक रूप से मित्रता का भाव रहता है। इसके प्रभाव से टपौअरपज और Rajju के मध्य स्वाभाविक समानताएं रहेंगी। अतः वे परस्पर प्रेमपूर्वक रहकर अपना जीवन व्यतीत करेंगे।

टपौअरपज की राशि का स्वामी चन्द्रमा तथा Rajju की राशि का स्वामी शुक परस्पर शत्रु एवं समराशियों में पड़ते हैं। अतः इसके प्रभाव से टपौअरपज और Rajju के मध्य संबंधों में मित्रता के भाव की अल्पता रहेगी तथा कटुता एवं मतभेदों की प्रबलता रहेगी। साथ ही एक दूसरे के गुणों की उपेक्षा करेंगे तथा कमियों पर विशेष ध्यान देकर विवाद तथा मतभेदों में वृद्धि करेंगे जिससे दाम्पत्य जीवन के सुख में न्यूनता का आभास होगा।

टपौअरपज एवं Rajju की राशियां परस्पर एकादश एवं तृतीय भाव में पड़ती हैं। यह एक शुभ भकूट है जिसके प्रभाव से परस्पर सुख सहयोग एवं स्नेह के भाव में वृद्धि होगी तथा उपरोक्त अशुभ प्रभावों में भी न्यूनता का भाव रहेगा। Rajju एक आत्मविश्वासी महिला होंगी तथा टपौअरपज का नैतिक सहयोग उनको हमेशा मिलता रहेगा इसके परस्पर विवादों में न्यूनता आएगी तथा प्रसन्नतापूर्वक अपना दाम्पत्य जीवन व्यतीत करने में समर्थ रहेंगे।

टपौअरपज का वश्य जलचर तथा Rajju का वश्य चतुष्पद है। सामान्यतया जलचर एवं चतुष्पद में नैसर्गिक रूप से समता एवं मित्रता का भाव होता है। अतः टपौअरपज और Rajju की अभिरुचियों में समानता रहेगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर भी आवश्यकताएं समान रहेंगी। जिससे दोनों एक दूसरे को कामभावनाओं में भी सन्तुष्ट एवं प्रसन्न रखने में सफल होंगे

टपौअरपज का वर्ण ब्राह्मण तथा Rajju का वर्ण वैश्य है। टपौअरपज की रुचि शैक्षणिक सामाजिक तथा धार्मिक कार्यों के प्रति रहेगी परन्तु Rajju हमेशा धनार्जन संबंधी कार्य करेगी तथा व्यापारिक बुद्धि से अपने कार्यों को सम्पन्न करने में प्रवृत्त रहेगी।

## धन

टपौअरपज और Rajju की तारा एक दूसरे के लिए सम रहेगी। अतः इसका आर्थिक स्थिति पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा तथा सामान्य रूप से धन तथा लाभ प्राप्त करने में दम्पति सफल होंगे। टपौअरपज एवं Rajju की राशि परस्पर तृतीय एवं एकादश भाव में पड़ती है। यह शुभ भकूट माना जाता है। इसके प्रभाव से टपौअरपज और Rajju की आर्थिक स्थिति में सुदृढ़ता तथा सम्पन्नता में वृद्धि होगी तथामंगल का प्रभाव भी शुभ ही रहेगा। अतः आय स्रोतों में वृद्धि होगी।

टपौअरपज को लाटरी या सट्टे आदि के द्वारा अचानक धन की प्राप्ति हो सकती

**Acharya Surender KumarJoshi**

VPO CHAKSARAI DISTT UNA HIMACHAL PRADESH

9418407130

surenderjoshi70@gmail.com

है या किसी अन्य स्रोत से एक साथ प्रचुर मात्रा में लाभ के योग बनेंगे। इस प्रकार टपीअरपज और Rajju धनऐश्वर्य से युक्त होकर अपना समय व्यतीत करने में समर्थ होंगे।

### स्वास्थ्य

टपीअरपज मध्य नाड़ी तथा Rajju अन्त्य नाड़ी में उत्पन्न हुई है। अतः दोनों की नाड़ी अलग अलग होने के कारण इन पर नाड़ी दोष का प्रभाव नहीं होगा फलतः शारीरिक रूप से दोनों सामान्यतया स्वस्थ ही रहेंगे परन्तु Rajju के स्वास्थ्य पर मंगल का अशुभ प्रभाव होगा जिससे वे रक्त या पित्त संबंधी परेशानी प्राप्त करेंगी तथा यदा कदा हृदय संबंधी कष्ट भी हो सकता है। साथ ही गुप्त रोग या मासिक धर्म संबंधी असुविधा भी समय समय पर होती रहेगी। Rajju सुख के क्षणों में भी यदा कदा उदासीनता के भाव का प्रदर्शन करेंगी जिससे परस्पर संबंधों में तनाव का भाव विद्यमान होगा। अतः मंगल के अशुभ प्रभाव को कम करने के लिए Rajju को नियमित रूप से हनुमानजी की पूजा करनी चाहिए तथा मंगलवार के उपवास भी सम्पन्न करने चाहिए।

### संतान

संतति की दृष्टि से टपीअरपज और Rajju का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से टपीअरपज और Rajju को उचित समय पर संतति प्राप्ति होगी तथा इसमें किसी भी प्रकार से विलम्ब या व्यवधान नहीं होगा। साथ ही बच्चों के मध्य अंतर भी अनुकूल रहेगा जिससे उचित मात्रा में उनका पालन पोषण करने का अवसर प्राप्त होगा। इसके अतिरिक्त टपीअरपज और Rajju के पुत्र एवं कन्याओं की संख्या बराबर रहेगी।

Rajju का प्रसव सामान्य रूप से होगा तथा इसमें उन्हें किसी भी प्रकार से परेशानी या कष्ट का सामना नहीं करना पड़ेगा। साथ ही किसी प्रसूति संबंधी चिकित्सा की भी आवश्यकता नहीं रहेगी। अतः Rajju के मन में इसके प्रति जो अनावश्यक भय या चिन्ताएं रहती हैं उसको दूर कर देना चाहिए तथा नियमित रूप से गर्भावस्था में डाक्टरी परीक्षण करवाने चाहिए। इस प्रकार Rajju सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी तथा स्वयं भी शांति तथा स्वस्थता की अनुभूति करेंगी।

बच्चों के द्वारा टपीअरपज और Rajju को पूर्ण सन्तुष्टि मिलेगी तथा अपनी योग्यता बुद्धिमता एवं व्यवहार कुशलता से वे अपने क्षेत्र में प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे यद्यपि माता पिता के वे आज्ञाकारी रहेंगे तथा उनकी इच्छा के विरुद्ध कोई भी कार्य नहीं करेंगे तथापि माता के प्रति उनके मन में विशेष लगाव तथा सम्मान का भाव रहेगा तथा उनकी आज्ञा पालन करने में सर्वदा तत्पर रहेंगे। इस प्रकार टपीअरपज और Rajju का पारिवारिक जीवन सुख तथा शांति से पूर्ण रहेगा तथा प्रसन्नता पूर्वक वे अपना समय व्यतीत करेंगे।

### ससुराल-सुश्री

Rajju के अपने ससुराल पक्ष के लोगों से अच्छे संबंध रहेंगे साथ ही अन्य जनों की अपेक्षा सास से संबंधों में अधिक मधुरता रहेगी। विवाह के बाद Rajju अत्यंत ही धैर्य एवं परस्पर

**Acharya Surender KumarJoshi**

VPO CHAKSARAI DISTT UNA HIMACHAL PRADESH

9418407130

surenderjoshi70@gmail.com

सामंजस्यता के भाव का पालन करेंगी। उनका यह धैर्य एवं सामंजस्यता का भाव भविष्य में उनके लिए अनुकूल सिद्ध होगा।

साथ ही ससुर के साथ भी सामंजस्य स्थापित करने में उन्हें कोई परेशानी नहीं होगी। अपनी मधुर वाणी एवं विनम्र व्यवहार से उनके हृदय को जीतने में समर्थ रहेंगी। इसी प्रकार अपनी मुक्त मित्रता की प्रवृत्ति के कारण देवर एवं ननदों से भी संबंध अनुकूल रहेंगे तथा उनकी ओर से Rajju पूर्ण सहयोग अर्जित करने में समर्थ रहेंगी।

यद्यपि Rajju अपनी ओर से समस्त ससुराल पक्ष के लोगों को सन्तुष्ट एवं प्रसन्न करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगी परन्तु इन लोगों से इन्हें कोई विशिष्ट सहयोग नहीं मिलेगा तथा संबंधों में औपचारिकता अधिक रहेगी।

### ससुराल-श्री

टपौअरपज तथा उनकी सास के आपसी संबंधों में विशेष मधुरता नहीं रहेगी तथा कई मामलों में उनके मध्य काफी प्रबल मतभेद समय समय पर दृष्टि गोचर होंगे। अतः यदि परस्पर सामंजस्य एवं बुद्धिमता के भाव का प्रदर्शन किया जाय तो इन मतभेदों में न्यूनता आएगी तथा आपसी संबंधों में मधुरता के भाव की वृद्धि होगी जिससे स्नेह एवं सम्मान का भाव बना रहेगा।

लेकिन ससुर के साथ में टपौअरपज के संबंध अच्छे रहेंगे तथा वह उन्हें अपने पिता की तरह मान सम्मान तथा सेवा का भाव प्रदान करेंगे। साथ ही समयानुसार वह टपौअरपज को अपनी ओर से बहुमूल्य तथा आवश्यक सलाह भी प्रदान करते रहेंगे एवं उन्हें अपने पुत्र के समान अपनत्व तथा स्नेह प्रदान करेंगे। साले एवं सालियों के साथ ही टपौअरपज के संबंध अच्छे रहेंगे तथा उनसे वांछित आदर सहयोग एवं सहानुभूति प्राप्त होती रहेगी। साथ ही उनसे सामंजस्य का भाव भी रहेगा। इस प्रकार ससुराल का दृष्टिकोण टपौअरपज के प्रति अनुकूल ही रहेगा।

**Acharya Surender KumarJoshi**

VPO CHAKSARAI DISTT UNA HIMACHAL PRADESH

9418407130

surenderjoshi70@gmail.com